मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 9

MTT–055

अनुवाद में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पी. जी. डी. टी.)

(संशोधित)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.टी.टी.-055 : अनुवाद : साहित्य और जनसंचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** तक किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग **750** शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए। प्रश्न संख्या **7** और **8** अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक उनके समक्ष दिए गए हैं।*

---

1. अननुवाद्यता से क्या अभिप्राय है ? अननुवाद्यता के विभिन्न स्तरों का सोदाहरण वर्णन कीजिए। 15

2. साहित्यानुवाद की सीमाओं की उपयुक्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए। 15

3. "काव्यानुवाद, पुन:सृजन और नवसृजन भी है।" सोदाहरण वर्णन कीजिए। 15

4. 'विज्ञापन' की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए और विज्ञापन-अनुवाद की विभिन्न युक्तियों की व्याख्या कीजिए। 15

5. "दृश्य-श्रव्य माध्यम की भाषा और अनुवाद" विषय पर निबंध लिखिए। 15

6. 'डबिंग' से आप क्या समझते हैं ? डबिंग-अनुवादक से की जाने वाली अपेक्षाओं पर प्रकाश डालिए। 15

7. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए : 20

When I was a boy, many other things existed on earth for me. Of course music was

always important, the chief household deity of a musical family by tradition. The central hall of our house was given to the making of musical instrument for which my father, and his father before him, were famous. Music vibrated there constantly, sometimes harmoniously and sometimes discordantly, a quality of the very air of our house : dense, shaped by infinity variation, and never still. I was only a child, perhaps four years old, when my father began waking me up at four o'clock every morning to go down to the hall with him and take lessons from him on the *tanpura*, harmonium, the *sitar* and even the *tabla*. He could play them all and wished to see for which I had an aptitude. Music being literally the air we breathed in that tall, narrow house in the lane that had belonged

for generations to the makers of musical instrument in that city, that I would display an aptitude was never in question.

अथवा

(*Or*)

Delhi High Court on Tuesday asked the chief secretary and finance secretary of Delhi government to appear before it virtually on January 30 and explain how they intend to tackle the issue of water-logging in the national capital and if the drainage master plan was ready to be rolled out.

The Court noted that due to heavy rains during monsoon, several residential areas witness a backflow of sewage and that the

storm water drains have not been segregated from the drains carrying sewage in Delhi.

"It is common knowledge that drains are normally choked with silt and drains are not constructed by taking the proper depth level and height into consideration. Most of the drains are not integrated and broken at places," a bench of acting Chief Justice Man Mohan and Justice Manmeet P. S. Arora said while directing officials' appearance.

"We also direct them to present a short presentation as to how they intend to tackle the issue of waterlogging and whether the drainage master plan has been prepared and whether the same is being

implemented," it noted in an order, while hearing two petitions on Delhi's water-logging problem, issue of rainwater harvesting and easing the traffic situation in the city during monsoon and other periods.

8. निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए : 20

13 मई – हमारा पहला ही दृश्य बेहद अव्यवस्थापूर्ण है। यह सोनमर्ग की ट्रैफिक चौकपोस्ट है। आगे सड़क बहुत घुमावदार है, जो कारगिल तक जाती है। सड़क के दोनों किनारों पर भीड़ है और यहाँ सैन्य वाहनों के असंख्य काफिले खड़े हैं। हमारी ही तरह जल्दबाजी में भेजी गई सभी यूनिटें लगभग रातोंरात यहाँ आई हैं। इनमें से ज्यादातर को जल्दबाजी में कश्मीर घाटी में सी. आई. ऑप्स. (काउंटर

इनसर्जेंसी ऑपरेशंस) से बुलाया गया है। कुछ सियाचिन के दुष्कर कार्यकाल के बाद स्थानांतरण आदेश का इंतजार कर रहे थे। उनके अधिकांश जवान छुट्टी पर थे। हम सब यहाँ पारंपरिक सैन्य-शैली की ब्रीफिंग के लिए आए थे। उनकी ध्वनि संक्षिप्त और रहस्यमय थी।

इसका अर्थ यह हुआ कि भारतीय क्षेत्र में पाकिस्तान-समर्थित कुछ आतंकवादियों ने घुसपैठ की है। हालांकि यह स्पष्ट रूप से सीमा पार करने की कोई नियमित घुसपैठ नहीं थी। स्पष्ट था कि यह सामान्य से अधिक गंभीर मामला है। फिर भी हमारी अब तक की सभी ब्रीफिंग में वरिष्ठ सैन्य कमांडरों का व्यवहार ठीक इसके विपरीत था। उधर घाटी में सी. आई. ऑप्स. प्रभारी अपनी ब्रीफिंग में बारंबार बता रहे थे कि हमें घुसपैठियों को भगाने के लिए कारगिल भेजा जाएगा।

अथवा

(*Or*)

यह तो पहले से ही स्पष्ट था कि भारत और फ्रांस अपनी रणनीतिक साझेदारी को नए चरण में ले जाने की तैयारी में हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के बीच गुरुवार को हुई द्विपक्षीय वार्ता में इसकी पुष्टि भी हो गई। फ्रांस उन देशों में शामिल है जो अपनी अत्याधुनिक रक्षा प्रौद्योगिकी पूरी तरह से भारत को देने और भारतीय कंपनियों के साथ मिलकर 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम के तहत तैयार है। ऐसे में दोनों नेताओं के बीच सहमति बनी है कि दोनों देश मिलकर रक्षा उत्पादन का भावी रोडमैप तैयार करेंगे। इस रोडमैप के तहत दोनों देश आपसी सहयोग से प्रमुख हथियारों और रक्षा उत्पादों को विकसित करेंगे और उनका उत्पादन करेंगे।

मैक्रों ने शुक्रवार को गणतंत्र दिवस समारोह में राजकीय मेहमान के तौर पर हिस्सा लिया। भारत के गणतंत्र के दिवस समारोह में हिस्सा लेने वाले वे फ्रांस के छठे राष्ट्रपति हैं जो यह भी बताता है कि ऐतिहासिक तौर पर दोनों देशों में रिश्तों में गर्माहट रही है। मैक्रों ने इंटरनेट मीडिया साइट एक्स पर अपनी भावनाओं को इन शब्दों में व्यक्त किया कि 'फ्रांस के लिए यह गौरव का क्षण है। धन्यवाद, भारत।'

× × × × ×